Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 29 , बुधवार, 21 फरवरी 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

मुरादाबाद : जहर खुरानी का शिकार हुआ सिपाही, अब तक नहीं आया होश

मुरादाबाद। मुरादाबाद में जहरखुरान गिरोह को अब खाकी वर्दी का भी खौफ नहीं है। इसका ताजा उदाहरण मुरादाबाद में देखने को मिला है। यहां ड्यूटी से लौट रहे एक सिपाही को जहरखुरान गिरोह ने नशीला पदार्थ खिलाकर लूट लिया। मंगलवार को सिपाही कटघर थानाक्षेत्र में बेहोश मिला। पुलिस ने उसको जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। मूलरूप से रजबपुर का रहने वाला सिपाही अनूप सिंह मझोला की बैंक कॉलोनी में रहता है। वह रामपुर के बिलासपुर में तैनात है। मंगलवार को अनूप ड्यूटी से घर लौट रहा था। जहरखुरान गिरोह ने उसे नशीला पदार्थ खिलाकर लूट लिया। मंगलवार को वह कटघर पीतलनगरी रेलवे स्टेशन पर पड़ा मिला। पुलिस ने उसको जिला अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस से घटना की जानकारी मिलने पर सिपाही के परिजन अस्पताल पहुंच गए। फिलहाल सिपाही बेहोश है।

गोरखपुर लोकसभा उपचुनाव: भाजपा से उपेन्द्र, कांग्रेस से सुरहिता ने भरा पर्चा

गोरखपुर। गोरखपुर लोकसभा उपचुनाव के लिए मंगलवार को भाजपा की ओर से उसके क्षेत्रीय अध्यक्ष उपेंद्र दत्त शुक?ल और कांग्रेस की ओर से सुरहिता करीम ने पर्चा भर दिया। इसके पहले उपेन्द्र शुक्ल के पक्ष में गोरखपुर क्लब तो सुरहिता के समर्थन में उनके चारुचंदपुरी कालोनी स्थित आवास पर कार्यकर्ताओं की भीड़ जुटी।

उपेन्द्र के समर्थन में गोरखपुर क्षेत्र के सभी 10 जिलों से पदाधिकारी, वरिष्ठ कार्यकर्ता, सांसद, विधायक और मंत्री आए थे। गोरखपुर क्लब मैदान में उनके पक्ष में एक सभा भी हुई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खाली की है सीट

गोरखपुर लोकसभा की सीट मुख?यमंत्री बनने के बाद योगी आदित्यनाथ ने खाली की है। उप मुख?यमंत्री केशव मौर्या द्वारा खाली की गई फूलपुर सीट और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा खाली की गई गोरखपुर सीट पर चुनाव 11 मार्च को होने हैं। परिणाम 14 मार्च को आएगा।

सपा उम्मीदवार ने कल भरा था पर्चा इस सीट से समाजवादी पार्टी ने निषाद पार्टी के पुत्र प्रवीण निषाद को अपना उम्मीदवार बनाया है जिन्हें निषाद पार्टी के साथ पीस पार्टी का भी समर्थन प्राप्त है। प्रवीण ने शनिवार को अपना पर्चा दाखिल किया था।

तीन हथियार तस्कर बंदी 21 पिस्टल, चार करतूस व कार बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने तीन हथियार तस्कर गिरफ्तार कर उनसे 21 पिस्टल, चार कारतूस व हथियार की तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक बरामद की है। गिरफ्तार हथियार तस्कर दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर प्रदेश व राजस्थान के कई बदमाशों को अबतक 600 से भी ज्यादा पिस्टल सप्लाई कर चुके हैं। दबोचे गए तस्करों के नाम राकेश राठौर, कमल उर्फ कमलेश व अशोक जायसवाल है। पकड़े गए हथियार तस्करों से पूछताछ कर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

डीएमसी की अनुशासन समिति मार्च में करेगी सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली चिकित्सा परिषद (डीएमसी) की अनुशासन समिति ने मैक्स अस्पताल से संबंधित जुडवां बच्चों के मामले में अगले महीने की शुरूआत में सुनवाई करने का फैसला किया है। मामला पिछले साल 30 नवम्बर का है जब शालीमार बाग इलाके के मैक्स अस्पताल द्वारा एक शिशुके जन्म के बाद उसे मृत घोषित करने से संबंधित है। दूसरा जुडवां बच्चा मृत पैदा हुआ था। डीएमसी के रजिस्ट्रार डा. गिरीश त्यागी ने कहा मामला 16 फरवरी को सुनवाई के लिए आया था लेकिन शिकायतकर्ता तब मौजूद नहीं थे। इसलिए हमने तारीख बढ़ा दी।

दिनदहाड़े कारोबारी के घर से गहने व नकदी चोरी

पूर्वी दिल्ली। थाना आनंद विहार क्षेत्र में रविवार को बदमाश दिनदहाड़े करोड़ों के आभूषण व नकदी चुरा ले गए। घटना के वक्त कारोबारी परिवार के साथ ससुराल गए थे। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस कारोबारी की शिकायत पर मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर जांच कर रही है। कारोबारी अतुल जैन परिवार के साथ राम विहार क्षेत्र में रहते हैं और थोक का कारोबार करते हैं। रविवार को वह परिवार के साथ शांति विहार स्थित अपनी ससुराल गए थे।

हैरतअंगेज! सांप ने किसान को काटा तो किसान ने सांप की मुंडी चबाकर थूकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसी शख्स ने सांप को काट लिया है सुनने में अटपटा जरूर लग रहा है, लेकिन यह बिल्कुल सच है। यूपी में हरदोई जिले के सोनलाल नाम के किसान को खेत से घर आते वक्त सांप ने काट लिया तो सोनेलाल ने भी हैरतअंगेज काम करते हुए सांप से बदला लिया। उसके फैरन सांप को पकड़ा और उसकी मुंडी दांत से काट डाली। मामला यहीं पर नहीं रुका बल्कि सोनेलाल सांप की मुंड़ी को चबाकर थूक दिया। माधौगंज थाना के हरिहरपुर मजरा शुक्लापुर भगत निवासी सोनेलाल रविवार को मवेशियों को घास लेकर खेत की ओर से घर आ रहा था। रास्ते में झाड़ियों में छिपे सांप ने काट लिया। इस पर किसान गुस्सा गया। उसके बाद सांप को तलाश कर किसान ने उसे भी दांतो से काटा। घर पहुंचने के बाद सोनेलाल ने घटना के बारे में अपने परिजनों को बताया जिसके बाद एम्बुलेंस को कॉल किया गया और उसे महाराजगंज के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बारे में सुनकर सभी हैरान हैं।

वहीं सोनेलाल के पड़ोसियों ने मीडिया को बताया कि जब सांप काटने की खबर उन्हें मिली तो वह भी सोनेलाल को देखने पहुंचे। वह काफी देर तक सांप के काटने के निशान को देखते रहे लेकिन कहीं पर भी सांप के काटे का निशान नहीं मिला। लेकिन यह जरूर सच है कि सोनेलान ने सांप को दांस से काटकर मार डाला है। बताया जा रहा है सांप के काटने से गुस्साए सोनेलाल ने ऐसा सांप से बदला लेने के लिए किया है। वहीं सोनेलाल ने अस्पताल में डॉक्टरों का बताया कि उसे जब सांप ने काटा तो वह अकेले था।

वह खेत से भैंस चराकर लौट रहा था तभी रास्ते में झाड़ियों में छिपे सांप ने उसे काट लिया। डॉक्टरों की देखरेख में सोनेलाल पूरी तरह से स्वस्थ है और उसे किसी प्रकार का खतरा नहीं है। उसे बाद परिजनो ने किसान को सीएचसी पर भर्ती कराया। इस बात को सुनकर हर कोई हैरान है।

कॉलोनियों की श्रेणी के मुताबिक कंवर्जन चार्ज तय करने की मांग को लेकर मंत्री से मिले भाजपा नेता

कंवर्जन चार्ज में राहत पर मंत्री ने दी सैद्धांतिक सहमति : मनोज तिवारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने दावा किया कि केंद्रीय शहरी विकास राज्यमंत्री हरदीप पुरी ने उनकी इस मांग को स्वीकार कर लिया है कि कंवर्जन शुल्क कालोनियों की श्रेणी के मुताबिक तय किया जाएगा। हालांकि अभी तक सभी कालोनियों में एक समान शुल्क है। प्रदेश अध्यक्ष के साथ केंद्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन, सांसद डॉ. उदित राज, महेश गिरी, प्रवेश वर्मा, रमेश बिधूड़ी भी थे। बैठक में उप-राज्यपाल अनिल बैजल भी मौजूद थे। भाजपा नेताओं ने मंत्री के साथ मॉनिटरिंग कमेटी को लेकर भी चर्चा करते हुए सीलिंग से राहत का आग्रह किया। प्रदेश अध्यक्ष ने आग्रह किया कि स्थानीय शॉपिंग सेंटरों पर लागू होने वाले कंवर्जन चार्ज की दर कॉलोनियों की श्रेणी के अनुसार तय की जाए। दिल्ली के व्यापारी अरसे से इस मांग को उठाते आ रहे हैं। मनोज तिवारी की इस मांग का अन्य सांसदों ने भी समर्थन किया। मनोज तिवारी ने दावा किया कि केंद्रीय मंत्री ने सैद्धांतिक तौर पर उनकी मांग को स्वीकार कर जल्द पॉलिसी में बदलाव का आश्वासन दिया है।

केजरीवाल टकराव ही करते रहेंगे तो काम कब करेंगे : शीला

नई दिल्ली। पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने मोदी सरकार पर जनता से किए वादों को पूरा नहीं करने के लिए घेरते हुए कहा कि राजनीति में झूठ ज्यादा देर नहीं चलता और लोग अब कांग्रेस को याद करने लगे हैं।

उन्होंने इसके साथ ही दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल से भी सवाल किया कि वह अगर उपराज्यपाल से टकराव ही मोल लेते रहेंगे तो काम कब करेंगे? दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने कहा कि कांग्रेस जो कहती थी, वह करती थी या करने के बाद कहती थी।

ऐसा नहीं था कि वह केवल कहती थी। उन्होंने कहा कि आप स्वयं ही देख लीजिए..टूजी, रीजी, सब झूठा निकला।

राजनीति में ऊंच नीच अवश्य चलती हैकिंतु मेरा यह मानना है कि राजनीति में झूठ ज्यादा देर तक नहीं टिकता । केजरीवाल नीत सरकार के तीन साल के आंकलन के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि दिल्ली की एक नागरिक होने के नाते मैं यह महसूस करती हूं कि इस सरकार ने कुछ भी नहीं किया।

दिल्ली की आप सरकार के शिक्षा और स्वास्थ के क्षेत्र पर शीला ने कहा कि यह बात बिल्कुल सही है कि सरकारी स्कूलों में ड्राप आउट्स की दर बढ़ रही है तथा निजी स्कूलों में दाखिलों का प्रतिशत बहुत बढ़ गया है।

पुलिस की आंखों में मिर्च झोंककर शार्प शूटर फरार

नई दिल्ली। कुख्यात नीरज बवाना गैंग का एक शार्प शूटर पुलिस कस्टडी से फरार हो गया। चिकित्सीय जांच के लिए उसे मौलाना आजाद मेडिकल डेंटल इंस्टीट्यूट (मेड्स) से संबद्ध लोकनायक अस्पताल में लाया गया था। दोपहर लगभग 12 बजे उपचार के बाद अस्पताल से बाहर आते समय मुख्य द्वार से निकलते उसने पुलिसकर्मियों की आंख में मिर्ची झोंक दी और उन्हें चकमा देकर फरार हो गया। शार्प शूटर का नाम संदीप ढिल्लो है। वह कई वारदात को अंजाम देने के आरोप में जेल में बंद था। सोमवार सुबह उसे दांत का चेकअप कराने अस्पताल लाया गया था। जानकारी के मुताबिक भागते समय उसने पुलिसकर्मियों की आंख में मिर्च झोंक दी और जबतव पुलिसकर्मी कुछ समझ पाते वह रफूचक्कर हो गया। पुलिस के मुताबिक संदीप ढिल्लो नीरज बवाना गैंग का मुख्य शार्प शूटर है। उसके खिलाफ हत्या, हत्या की कोशिश, रंगदारी और लूट जैसी वारदात के कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने संदीप को पकड़ने के लिए कई टीमों का गठन किया है। नीरज बवाना को दिल्ली के सबसे बड़े बदमाशों में शुमार किया जाता है। एक अधिकारी के मुताबिक तिहाड़ जेल में नीरज बवाना गैंग के बदमाश सबसे ज्यादा हैं। इन सभी पर बड़ी-बड़ी वारदातें अंजाम देने का आरोप है।अस्पताल में हड़कंप : शार्प शुटर के भागाने की खबर कुछ देर में पूरे अस्पताल में फैल गई। दरअसल, पुलिस कर्मियों ने शूटर को ढूंढ़ने के लिए पूरा अस्ताल छान मारा। इस दौरान मरीजों के साथ ही वेटिंग लाउंज में प्रतिक्षारत उनके रिश्तेदार और डॉक्टर खौफज़दा रहे। मेड्स के प्राचार्य एवं निदेशक प्रो. डॉ. महेश वर्मा के मुताबिक यह मामला मेड्स परिसर के बाहर हुआ है, सीसीटीवी फूटेज व अन्य जांच के मामले में हम पुलिस का सहयोग कर रहे हैं।

सड़क हादसों में बच्ची समेत तीन की मौत

नई दिल्ली। पुल प्रह्लादपुर थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर तेज रफ्तार डंपर ने बैरिस्टर तिवारी (44) और उसकी भांजी सुमन (22) को रौंद दिया। बहन और मौसा को बचाने आई सुमन के भाई नितिन तिवारी लोगों से मदद के लिए गिड़गिड़ए, लेकिन किसी ने उनकी मदद नहीं की। पीसीआर को भी सूचना दी गई, लेकिन वह फोन करने पर नाम और पता ही पूछती रही और जब मदद मिलती, मिलती मामां और भांजी ने तड़प तड़प कर सड़का दम तोड़ दिया।

मेरठ में गीतांजलि शोरूम पर ईडी का छापा, व्यापारियों में हड़कंप

मेरठ (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम मंगलवार को मेरठ पहुंची। ईडी की टीम ने आबूलेन गीतांजलि ज्वैलरी शोरूम पर करीब कई घंटे तक छापा मारा। छानबीन के बाद फिलहाल टीम दिल्ली के लिए रवाना हो गई है। हालांकि, शोरूम निदेशक ने इस कार्रवाई को इंटरनल ऑडिट बताया। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली और लखनऊ के ईडी अफसरों की टीम मंगलवार सुबह मेरठ आई। टीम ने आबूलेन स्थित गीतांजलि शोरूम पर छापा मारा। यहां पर टीम ने घंटों तक छानबीन की साथी शोरूम निदेशकों से भी विस्तार से जानकारी ली। जांच पड़ताल के दौरान शोरूम के अंदर बाहर से जाने वालों की एंट्री बैन कर दी गई थी। आसपास के सर्राफा व्यापारी और शोरूम निदेशक भी टीम के बाहर आने का इंतजार कर रहे थे। करीब दो बजे टीम जांच पूरी कर बाहर आई और दिल्ली के लिए रवाना हो गई। टीम ने मीडिया कर्मियों से बात नहीं की और चुपचाप रवाना हो गई। पूरी कार्रवाई को नीरव मोदी से जोड़कर देखा जा रहा है। दूसरी और गीतांजलि शोरूम के डायरेक्टर सौरभ अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने इंटरनल ऑडिट कराया है। साथ ही कहा कि यह इंटरनल ऑडिट उन्होंने अपनी सहूलियत के लिए कराया है।

हिंदू जागरण मंच के नेता को दी जान से मारने की धमकी, आरोपी गिरफ्तार

मुरादाबाद (एजेंसी)। मुरादाबाद में हिंदू जागरण मंच के क्षेत्रीय संगठन मंत्री को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। इससे गुस्साए हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने डिप्टीगंज चौराहे पर जमकर हंगामा किया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार दोपहर मुरादाबाद में हिंदू जागरण मंच के क्षेत्रीय संगठन मंत्री हितेश जरूरी काम से शहर की तरफ जा रहे थे डिप्टीगंज चौराहे पर पहुंचे तो वहां पर जाम लगा हुआ था। इस दौरान कुछ लोग जाम खुलवाने के नाम पर लोगों से अभद्रता कर रहे थे। उन लोगों ने हितेश से भी बदतमीजी की। हिंदू जागरण मंच के क्षेत्रीय संगठन मंत्री ने जब इसका विरोध किया तो इससे जाम खुलवा रहे लोग भड़क गए और हितेश के साथ गाली-गलौज करने के साथ ही उन्हें जान से मारने की धमकी दी।

मामले की सूचना पाकर नगर विधायक रितेश गुप्ता भारी संख्या में समर्थकों के साथ डिप्टीगंज चौराहे पर पहुंच गए और धमकी देने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इसके साथ ही नागफनी और सिविल लाइंस पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई। पुलिस ने धमकी देने के आरोपी युवक नदीम को हिरासत में ले लिया है। पुलिस नदीम और उसके साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई कर रही है। इस घटना से डिप्टीगंज चौराहे पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। नागफनी थाने के इंस्पेक्टर का कहना है कि तहरीर मिल गई है। मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है।

इलाहाबाद : आयोग पहुंची सीबीआई की टीम, मिली एक और 'सुहासिनी'

इलाहाबाद। गाजीपुर की एक महिला अभ्यर्थी को आरओ-एआरओ परीक्षा में फेल कर दिए जाने के मामले में शिकायत पर सीबीआई की टीम एक बार फिर उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग पहुंची। जहां विभिन्न दस्तावेजों को सील कर जांच शुरू कर दी गई। दस्तावेजों के आलावा अधिकारियों के कंप्यूटर्स की भी स्कैनिंग की जा रही है।

क्या थी शिकायत

गाजीपुर की एक महिला अभ्यर्थी को आरओ-एआरओ परीक्षा में कटऑफसे भी 7 नंबर ज्यादा आई थी लेकिन उसे फेल कर दिया गया था। परीक्षार्थी ने मामले की शिकायत सीबीआई में की थी। जिसके बाद एक्शन लेते हुए सीबीआई के एसपी मंगलवार को इलाहाबाद पहुंचे। उनके साथ सीबीआई की फॉरेंसिक टीम भी शामिल थी जो अधिकारियों के कंप्यूटर्स की स्कैनिंग कर रही थी। इससे पहले एक अन्य मामले में सीबीआई ने आयोग के गोपनीय अनुभागों के कम्प्यूटर की स्कैनिंग की थी। गौरतलब है कि इससे पहले एक अन्य मामले में सुहासिनी वाजपेयी नाम की परीक्षार्थी ने नंबरों में हेरफेर की शिकायत की थी जिसके बाद उस मामले का खुलासा हुआ था। यूपी में विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सभाओं में सपा सरकार पर हमला करते हुए लोक सेवा आयोग में भ्रष्टाचार, मनमानी का जिक्र किया था। उसी कड़ी में सुहासिनी प्रकरण का उल्लेख किया था। ताजा मामले में भी सुहासिनी की तरह ही गड़बड़ी के संकेत मिले हैं।

पश्चिम बंगाल: युवती के साथ गैंगरेप, 18 घंटे बाद मिल सका इलाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल से मानवता को शर्मसार कर देने वाली खबर आई है। 19-20 साल की युवती के साथ दरिंदों ने गैंगरेप किया। गैंगरेप के बाद आरोपियों ने पीड़िता के प्राइवेट पार्ट में लोहे की रॉड भी डाली गई।

घटना दक्षिणी दिनाजपुर के कुश्मंडी क्षेत्र की है। आरोपी पीड़िता को घटनास्थल के समीप एक ब्रिज के नीचे फेंक गए। घटना के तकरीबन 18 घंटे बाद वहां से गुजर रहे एक व्यक्ति ने इस बारे में पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि महिला की दो सर्जरी हुई है। लोहे की रॉड की वजह से पीड़िता की इंटेस्टाइन प्राइवेट पार्ट से बाहर आ गई थी। घटना रविवार रात को उस वक्त घटी जब वह कुश्मंडी में गांव के मेले से वापस आ रही थी। पुलिस ने बताया कि मामले में दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों सो पूछताछ जारी है।

मामूली कहासुनी में गोली मारकर युवक की हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। नरेला थाना क्षेत्र के लामपुर में पांच फरवरी को मामूली कहासुनी में गोली मारकर युवक की हत्या कर दी गई थी। वारदात के वक्त युवक बारात में शामिल होने जा रहा था। पुलिस ने हत्या के आरोप में पकंज व विक्की को गिरफ्तार कर उनसे हत्या में प्रयुक्त तमंचा बरामद किया है।

पुलिस के मुताबिक पांच फरवरी की रात 11.15 बजे सूचना मिली कि लामपुर गांव क्षेत्र में युवक को गोली मार दी गई है। जब तक पुलिस मौके पर पहुंचती, युवक को उसके दोस्त अस्पताल ले जा चुके थे। जब पुलिस अस्पताल पहुंची तो डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया।

मृत युवक की शिनाख्त सोनीपत निवासी सुनील के तौर पर हुई। जांच में पता चला कि सुनील दोस्तों के साथ लामपुर गांव स्थित सुमेर सैनी फॉर्महाउस में शादी में आया था। फॉर्महाउस के पास एक कार ने बारात से आगने निकलने की कोशिश की और साइड न मिलने पर आगबबूला होकर चालक और उसके दोस्तों ने कार से उतरकर सुनील व अन्य लोगों से हाथापाई व गाली गलौच की और सुनील के पेट में गोली मारकर चारों आरोपी फरार हो गए।

पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम गठित की। जांच टीम ने क्षेत्र में लगे 18-20 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर कई संदिग्ध लोगों से पूछताछ की और पुख्ता सूचना पर क्षेत्र में घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। केस दर्ज कर पुलिस दो अन्य बदमाशों की भी तलाश में है। रणजीतनगर क्षेत्र में युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर बदमाश मौके से फरार हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपकर मामले की छानबीन कर रही है। मृतक की शिनाख्त वरुण (23) के रूप में हुई है।

केस दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश में है। पुलिस के मुताबिक वरुण सपरिवार रणजीतनगर स्थित पांडवनगर में रहता था और एक कम्पनी में साफ-सफाई करता था। रविवार देर रात सूचना मिली कि पांडवनगर स्थित पार्क के पास बदमाश एक युवक को चाकू मारकर फरार हो गए। पुलिस घायल युवक को नजदीकी अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक के शरीर पर चाकू के तीन घाव हैं। मृतक का सामान गायब ने होने के कारण संभावना है कि उसकी हत्या लूटपाट के लिए नहीं की गई है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालकर बदमाशों की शिनाख्त का प्रयास कर रही है।

असफलता वह मसाला है जो सफलता का स्वाद देता है -ट्रूमैन कैपोट

नेशनल बैंक के महाघोटाले

पंजाब नेशनल बैंक के महाघोटाले ने सरकार की चिंताएं बढ़ा दी हैं। इस मुद्दे पर उसके पास विपक्ष के हमलों का कोई माकूल जवाब नहीं दिख रहा है। अपने दामन को पाक-साफसाबित करने के लिए इसकी कई स्तरों पर जांच की जा रही है। लेकिन जैसे-जैसे घोटाले की जांच आगे बढ़ रही यह मामला उलझता ही जा रहा है। पहले यह घोटाला 11,300 करोड़ रुपये का आंका जा रहा था लेकिन अब यह अनुमान से दोगुना बढ़कर 20,000 करोड़ रपए के स्तर पर पहुंच गया है। इसकी आंच देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई, यूनियन बैंक, इलाहाबाद बैंक और यूको बैंक पर भी देखी जा रही है। सरकार की दलील है कि यह घोटाला 2011 में शुरू हुआ था और तब केंद्र में यूपीए की सरकार थी। इस बयान को हास्यास्पद ही कहा जाएगा। केंद्र में पिछले पौने चार साल से एनडीए की सत्ता है।

जाहिर है वह किसी भी सूरत में इस घोटाले से अपना पल्ला नहीं झाड़ सकती। हैरानी की बात यह है कि जब किसी आम ग्राहक के खाते में जमा रकम निर्धारित न्यूनतम सीमा से कम हो जाती है तो बैंक को उसका तुरंत पता चल जाता है और ग्राहक से अनाप-शनाप जुर्माना भी वसूल लिया जाता है। ऐसे में सवाल है कि हीरा व्यापारी नीरव मोदी पिछले सात साल से पीएनबी से अवैध तरीके से मनचाही रकम लेता रहा और किसी को कानों-कान खबर कैसे नहीं लग पाई ? पीएनबी एक सूचीबद्ध कंपनी है। इसकी हर तिमाही बैलेंस शीट बनती है और इसका नियमित रूप से आडिट भी किया जाता है।

इस स्थिति में घोटाले की भनक न लगने की बात पर किसी भी सूरत में भरोसा नहीं किया जा सकता। वैसे भी पीएनबी के लिए नीरव मोदी प्रकरण कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले हीरा कारोबार से जुड़ी कंपनियां विनसम और श्री गणोश ज्वेलर्स बैंक को 9000 करोड़ रुपये की चपत लगा चुकी हैं। यदि पीएनबी ने इन घटनाओं से सबक लिया होता तो आज उसे पूंजी बाजार में यह फजीहत नहीं झेलनी पड़ती। हकीकत यह है कि पीएनबी का डूबा हुआ कर्ज लगातार बढ़ता जा रहा है। बैंक के जानबूझ कर कर्ज न लौटाने वाली राशि में पिछले महज छह महीने में ही 23 फीसद की वृद्धि दर्ज हो चुकी है। इससे साफ संकेत मिलता है, इस बैंक के सिस्टम में ही खोट है और इस बीमारी से अन्य सार्वजनिक बैंक भी अछूते नहीं है। इसी वजह से इन बैंकों की फंसे कर्ज की राशि तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में सरकार को इस मुद्दे पर बचाव की मुद्रा में आने के बजाय असल बीमारी के इलाज के उपाय करने चाहिए।

रोडरेज की वारदात

राजधानी दिल्ली में कुछ ही दिनों के अंतराल में एक बार फिर रोडरेज की वारदात को अंजाम दिया गया। गाड़ी हल्के से छू जाने से नाराज चार युवकों ने दूसरे गाड़ी वाले की एक आंख फोड़ दी। इससे पहले कांग्रेस नेता की ऐसे ही एक मामले में हत्या कर दी गई। यह सब दिलवालों का शहर कहे जाने वाले दिल्ली में रोज की बात हो चली है। यहां हर कोई गुस्से में दिखता है; हर कोई जल्दबाजी में होता है। नतीजतन मामूली सी बात पर मारपीट, गाली-गलौज यहां तक कि एक-दूसरे की जान तक लेने पर लोग आमादा हैं। सड़क पर गुस्सा, नफरत की आग और सामने वाले के खून के प्यासे लोगों की बढ़ती संख्या चिंता के साथ-साथ बहुत कुछ सोचने पर मजबूर करती है। आखिर हम कहां जा रहे हैं? आंकड़े भी इस बात की तस्दीक करते हैं कि मसला हल्के में लेने लायक नहीं है। वैसे रोडरेज की वारदात देश के कमोबेश हर बड़े शहरों में घटित होती है।

दिल्ली में यह कुछ ज्यादा ही है। 2012 में जहां रोडरेज के महज 36 मामले सामने आए थे तो 2015 में यह दर बढ़कर 120 से ज्यादा हो गई। बीच चौराहे पर छोटी सी बात पर खून बहा देने की प्रवृत्ति से पार पाना होगा। यह आचरण न केवल चिंतनीय है बल्कि युवाओं की मानसिक स्थिति, गिरती संवेदनहीनता और बुरे संस्कारों को दर्शाती हैं। ऐसा कैसे हो सकता है कि गाड़ी को साइड न देने, हार्न बजाने, गाड़ी से गाड़ी छू जाने पर लोग आपा खो दें?
यानी कहीं-न-कहीं नियम-कानून में लचीलापन है या लोगों में कानून का डर नहीं। जबकि कई बार हाईकोर्ट ने रोडरेज की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई है। मगर कानून से ज्यादा यह मसला खुद में सुधार लाने से हल हो सकता है। स्वाभाविक है कि आज की भागदौड़ की जिंदगानी ने लोगों के व्यवहार को रुखा बना दिया है।

काम का दबाव, समय पर कार्यालय पहुंचने का तनाव के साथ-साथ पैसे और सत्ता की हनक रोडरेज के लिए प्रेरित करते हैं। इस अपराध में पकड़े जाने वालों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने के साथ-साथ ड्राइविंग लाइसेंस आजीवन के लिए रद्द किया जाना चाहिए। अगर ऐसा नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में सड़कें युद्ध के मैदान में तब्दील हो जाएगी।

सत्संग

गुरु

गुरू शब्द का अर्थ बड़ा प्यारा है। इसका अर्थ होता है-जिससे अंधकार मिटे। गुरु शब्द का अर्थ होता: दीया, रोशनी। प्यारा शब्द है। मगर प्यारे से प्यारे शब्द गलत लोगों के हाथों में पड़ कर घातक हो जाते हैं। कितना प्यारा शब्द है! लेकिन उसके क्या-क्या अर्थ हो गए! गुरुडम पैदा हो गई इस प्यारे अर्थ से, गुरुघंटाल पैदा हो गए इस प्यारे शब्द से। देश के कई हिस्सों में तो गुरु का मतलब होता है: गुंडा। पहुंचे हुए गुंडों को लोग कहते हैं: वाह गुरु, क्या बात कही! जैसे मुंबई में गुंडा के लिए अच्छा शब्द उपयोग करना पड़ता है, क्योंकि गुंडे से गुंडा कहो तो खोपड़ी खोल दे। तो मुंबई में उसको कहते हैं: दादा! गजब की बात है-दादा और गुंडा! ऐसे ही जबलपुर में जहां मैं रहता था, वहां गुंडे को कहते हैं: गुरु। कहना ही पड़ेगा, कुछ न कुछ अच्छा शब्द खोजना पड़ेगा। गुंडे को गुंडा तो नहीं कह सकते। बहुत गुंडे गुरु शब्द के पीछे छिपे खड़े हैं। और बहुत-सी दुकानें गुरु के पीछे छिपी खड़ी हैं। सबसे बड़ी भ्रांति तो यह है कि ज्ञान बाहर से मिल सकता है। ज्ञान बाहर से मिल ही नहीं सकता। ज्ञान तुम्हारा अंतर-भाव है, तुम्हारे भीतर के सूरज का उगना है। फिर बाहर गुरु का क्या प्रयोजन है? बाहर के गुरु का प्रयोजन वही है, जो बाहर के संगीत का होता है। जब कोई तबले पर ताल देता है, तो तुमने अनुभव किया, तुम्हारे पैर नाचने को उत्सुक हो उठते हैं! क्या हुआ? क्या हो गया? इधर जब तबले पर कोई ताल पड़ी, किसी ने मृदंग बजाई, उधर तुम्हारे पैरों में क्या होने लगा? कैसी हलचल? तुम नाचने को उत्सुक होने लगे। पश्चिम के बहुत बड़े मनोवैज्ञानिक कार्ल गस्ताव जुंग ने इस प्रक्रिया के लिए एक नया ही नाम खोजा है: सिनक्रानिसिटी- समस्वरता। बाहर कोई चीज घट रही है, तो ठीक उसके समानांतर कोई चीज भीतर घटनी शुरू हो जाती है। बाहर संगीत बजा, और तुम्हारे भीतर भी कोई धुन बजने लगती है। बाहर संगीत बजा, और तुम्हारा सिर हिला, तुम्हारे पैर नाचे। वह संगीत तुम्हारे भीतर था। वह पहले भी था, जब संगीत नहीं बज रहा था, लेकिन अब संगीत ने उसे जगा दिया। यही काम है बाहर के गुरु का, कि वह बाहर की मृदंग बजा दे, कि बाहर की बांसुरी बजा दे, कि बाहर की वीणा छेड़ दे, कि उसके समस्वर तुम्हारे भीतर जो सोए पड़े हैं, उन पर टंकार पड़ जाए। तुम्हें याद आ जाए अपने भीतर की

फर्जीवाड़े के विवरणों

भाजपा प्रवक्ता ने यह धमकी दी कि उनके पास भी कांग्रेस के नेताओं के साथ मेहुल चौकसी की तस्वीरे हैं। चौकसी भी नीरव मोदी के साथ पीएनबी के फर्जीवाड़े में शामिल हैं। भाजपा प्रवक्ता की धमकी के बाद ही यह भी सामने आ गया कि मोदी ने सत्ता संभालने के बाद एक कार्यक्रम में अपने सामने बैठे चौकसी की तारीफ की थी। भारतीय राजनीति में यह बात बिल्कुल बेमानी हो चुकी है कि किस घोटालेबाज का किस राजनीतिक पार्टी या राजनीतिक नेताओं के साथ संबंध है? जब भी कोई घोटाला सामने आ रहा है तो ये एक राजनीतिक शैली बन गई है कि उस घोटालेबाज के रिश्ते राजनीतिक पार्टी के साथ किसी भी तरह जोड़कर दिखाया जाए?

सतीश पेडणोकर

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) में फर्जीवाड़े के विवरणों पर गौर करने के बजाय इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि इन घोटालों को लेकर राजनीतिक स्तर पर किस तरह की प्रतिक्रियाएं आती है? पीएनबी में फर्जीवाड़े में नीरव मोदी का नाम आया और उसे कांग्रेस के प्रवक्ता ने ''छोटा मोदी' बुलाया। तब भाजपा के प्रवक्ता ने नीरव मोदी को ''छोटा मोदी' कहे जाने पर गहरी आपत्ति प्रकट की। उन्होंने कांग्रेस प्रवक्ता द्वारा दावोस में इस वर्ष जमा हुए भारतीय अमीरों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीरव मोदी के साथ सार्वजनिक ग्रुप फोटो को फिर से सार्वजनिक करने पर भी आपत्ति प्रकट की। भाजपा प्रवक्ता ने यह धमकी दी कि उनके पास भी कांग्रेस के नेताओं के साथ मेहुल चौकसी की तस्वीरे हैं। चौकसी भी नीरव मोदी के साथ पीएनबी के फर्जीवाड़े में शामिल हैं। भाजपा प्रवक्ता की धमकी के बाद ही यह भी सामने आ गया कि मोदी ने सत्ता संभालने के बाद एक कार्यक्रम में अपने सामने बैठे चौकसी की तारीफ की थी।

भारतीय राजनीति में यह बात बिल्कुल बेमानी हो चुकी है कि किस घोटालेबाज का किस राजनीतिक पार्टी या राजनीतिक नेताओं के साथ संबंध है? जब भी कोई घोटाला सामने आ रहा है तो ये एक राजनीतिक शैली बन गई है कि उस घोटालेबाज के रिश्ते राजनीतिक पार्टी के साथ किसी भी तरह जोड़कर दिखाया जाए? इससे घोटाले के खिलाफ एक लोकप्रिय होने वाले अंदाज की खोज होती है। उसे जनसंचार माध्यमों की संस्कृति से प्रभावित करार दिया जा सकता है लेकिन यह एक सतही विश्लेषण होता है। यह पूंजीवादी जन संचार माध्यमों की संस्कृति के प्रभाव के बजाय पूंजीवादी राजनीति की विवशता का परिचायक हैं।

एक तरह की पूंजीवादी पार्टियों के बीच यह समझौता है कि एक-दूसरे पर घोटाले की वजहों को टालकर इन घोटालों को मौजूदा राजनीतिक संस्कृति से जुड़ने से रोका जाए। और इसके लिए भाषा का सबसे कारगर इस्तेमाल होता है। इसी तरह की कोशिशों की ही यह कड़ी है कि किसी नये घोटाले का सिरा विपक्ष की पुरानी सरकार के कार्यकाल से जोड़ा जाता है। पीएनबी के फर्जीवाड़े में भी भाजपा के प्रवक्ता ने इसे 2011 से चल रहे सिलसिले का भंडाफोड़ बताया। सरसरी निगाह डाले तो यह पाते हैं कि हमने ऐसी एक ठोस राजनीतिक व्यवस्था विकसित कर ली है, जिसमें दलों की सक्रियता घोटालों के खिलाफ बनी भी रहे और घोटाले भी अमीरी और अमीरों को पैदा करते रहें। अंग्रेजों के जाने के बाद से घोटालों को लेकर चर्चा की जा रही है। सत्ता से जुड़ने के बाद नेताओं की संपत्ति में बढ़ोतरी के बारे में 1957 में डॉ. राम मनोहर लोहिया ने कार्यकर्ताओं की एक बैठक में दी थी। उन्होंने तब कहा कि वित्त मंत्री टी.टी. कृष्णामचारी के बेटे या उनका कोई रिश्तेदार कंपनी चलाता है तो उस कंपनी की मिल्कियत कृष्णामचारी के मंत्री बनने के पहले कितनी थी और मंत्री बनने के बाद कितनी है, इसकी अहमियत इस रूप में ज्यादा है कि हिन्दुस्तान किस तरफ जा रहा है? डॉ. लोहिया ने बताया था कि कृष्णामचारी की एक कंपनी मुश्किल से बीस या तीस लाख की रही होगी और अब वह करोड़ों रुपये की हो गई है। घोटालों के जांच करने के तौर-तरीकों में हर घोटाले के बाद परिवर्तन किया जाता है लेकिन किसी जांच की प्रक्रिया और सुधार ने घोटालों को कम नहीं होने दिया। मोदी की सरकार के बनने के पीछे तो मनमोहन सिंह सरकार के कार्यकाल के दौरान हुए घोटालों के खिलाफ आंदोलन रहे हैं। किसी घोटाले में किसी एक के अमीर और बड़े-से-बड़ा अमीर बनने की एक कहानी सामने आती है तो दूसरी तरफ उसके साथ यह तय भी शामिल होता है कि उस घोटाले ने एक अमीर वर्ग तैयार किया है और उसमें वह नेता शामिल है, जो घोटाले की साजिश शुरू करने के वक्त सत्ता में था। यह वर्ग भारत के कागजों में अपना पता-ठिकाना दिखाता है मगर रहता है किसी सुरक्षित राष्ट्र में। सत्ता अमीर पैदा करने की मशीनरी है। अस्सी प्रतिशत से ज्यादा राजनेताओं की संपत्ति में सत्ता के प्रभाव से सौ-सौ प्रतिशत से भी ज्यादा का इजाफा इस दौर में दिखता है। 73 प्रतिशत संपत्ति एक प्रतिशत लोगों के पास पहुंच गई है और यह पहले यूपीए और इसके बाद मोदी की सरकार के कार्यकाल का कड़वा सच है। तकनीकी रूप से घोटाले में शामिल नहीं होने की चालाकी से बचने का एक प्रशिक्षण होता है लेकिन घोटालों के नतीजे यह हैं कि एक तरफ अमीरों की संख्या बढ़ी है तो दूसरी तरफ बेतहाशा गरीबी बढ़ी है। भारतीय समाज में भ्रष्टाचार और घोटाले से अमीर और अमीरी की संस्कृति विकसित हुई है। ग्लोबल मार्केट में मेड इन इंडिया के रूप में नीरव मोदी की पहचान है तो इसका यह एक उदाहरण है। नई आर्थिक व्यवस्था में बैंक घोटालों और भ्रष्टाचार के केंद्र बने हुए हैं। मार्च 2017 में आरबीआई के मुताबिक 2016-17 के पहले नौ महीनों में आईसीआईसीआई बैंक से 1 लाख रुपये और ज्यादा की रकम के फर्जी ट्रांजैक्शन पकड़े गए जबकि एसबीआई के 429, स्टैंर्डड चार्टर्ड बैंक के 244 और एचडीएफसी बैंक के 237 फर्जी ट्रांजैक्शन सामने आए। अप्रैल से दिसम्बर 2016 के बीच 177.50 अरब रुपये के फर्जीवाड़े के 3,870 मामले दर्ज करवाए गए। आईआईएम बेंगलुरू के अध्ययन में पता चला है कि देश के सरकारी बैंकों को 2012 से 2016 के बीच फर्जीवाड़े से कुल 227.43 अरब रुपये का चूना लग चुका है। केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने आरबीआई के आंकड़ों का हवाला देते हुए संसद को बताया था कि 1 जनवरी से 21 दिसम्बर 2017 तक 179 करोड़ रु पये के बैंक फर्जीवाड़े के 25,800 से ज्यादा मामले सामने आए। इन फर्जीवाड़ों को क्रेडिट/डेबिट काड्र्स और इंटरनेट बैंकिंग के जरिए अंजाम दिया गया था। लेकिन घोटालों को केवल बैंकों तक ही सीमित रखकर इसके राजनीतिक जुड़ाव को नहीं समझा जा सकता है। घोटालों से एक सामाजिक वर्ग तैयार हुआ है और वह बैंकों से लेकर व्यापम तक दिखता है। यह वर्ग राजनीतिक रूप से इस कदर ताकतवर है कि न्याय पप्रणाली भी असहाय दिखती है। 2जी स्कैम यूपीए में बताया गया लेकिन एनडीए के कार्यकाल में आरोपी मुक्त हुए। राजनीति का अपराधीकरण पुराना मुहावरा है। अपराध का राजनीतिकरण के दौर से भारतीय समाज गुजर रहा है।

चलते चलते

लूट जनित समाजवाद

कथा नम्बर एक-लूट जनित समाजवाद वहां भंडारे में विराट कोहली थे, प्रियंका चोपड़ा थीं-वही गीतांजलि ज्वैलरी फेमवाली। मैंने पूछा-कोहली साहब, इतने बड़े आदमी आप यहां भंडारे में खा रहे हैं। यहां तो उन्हे खाने दें, जो बैंक वगैरह में नहीं खा सकते। कोहली साहब बोले-जिस बैंक को मैं भरोसे का बैंक बताता था, उसी का माल लुट लिया।

कथाओं के सभी पात्र काल्पनिक हैं, बस जो लूट हो गई है तमाम बैंकों के साथ, वही असली है। कथा नम्बर एक-लूट जनित समाजवाद वहां भंडारे में विराट कोहली थे, प्रियंका चोपड़ा थीं-वही गीतांजलि ज्वैलरी फेमवाली। मैंने पूछा-कोहली साहब, इतने बड़े आदमी आप यहां भंडारे में खा रहे हैं। यहां तो उन्हे खाने दें, जो बैंक वगैरह में नहीं खा सकते। कोहली साहब बोले-जिस बैंक को मैं भरोसे का बैंक बताता था, उसी का माल लुट लिया। प्रियंका चोपड़ा बोलीं-अजब आफत है, मैं उनके हीरों को टॉप बता रही थी। इधर वो ही फरार हो लिए। मैंने बैंक के लुटेरों, हीरेवाले चोरों को थैंक्यू बोला। वरना इतने बड़े लोग कहां मिल-जुलकर समतावादी समाजवादी ढंग से भंडारा खा रहे होते। बैंक कथा दो-बैंकिंग लाइसेंस लेंगेमुहल्ले में चेन-स्नैचिंग की घटनाएं बढ़ गई-मैं गया थानेदार के पास शिकायत करने। उसने बताया-जी, जो पहले मंडर करते थे, अब सिर्फ किडनैपिंग करते हैं। किडनैपिंग वाले सिर्फ चेन-स्नैचिंग कर रहे हैं। सहयोग करना बनता है जी।बीस चेन-स्नैचर करीब के पार्क में कांफ्रेंस कर रहे थे। वरिष्ठ चेन-स्नैचर नये वाले से बोला-बेटा, हमारे काम में रिस्क ज्यादा है, कमाई कम हो गई है। नये चेन-स्नैचर ने कहा-सर, तो बताएं क्या किया जाए। यूं तो हम नर्सगि होम भी खोल लेते पर इसके लिए डाक्टरी की डिग्री चाहिए होती है। प्राइवेट स्कूल भी खोल लेते पर इस विधि से स्नैचिंग में थोड़ा अफसर-नेताई बैकअप चाहिए होता है। वरिष्ठ चेन-स्नैचर ने कहा-थिंक बिग-बड़ा सोचो। नया चेन-स्नैचर बोला-सर, आप बैंक बन जाओ, मैं हीरा कारोबारी बन जाता हूं। आपसे सारी रकम ले लूंगा। अमेरिका और स्विटजरलैंड में ऐश करेंगे। पचास जेबकतरे, चेन-स्नैचर रिजर्व बैंक पर धरना किए हुए हैं-हमें बैंक लाइसेंस दो। एक पत्रकार ने पूछा उनसे-तुम जेबकतरे, चेन-स्नैचर बैंकिंग को चला लोगे क्या। एक चेन-स्नैचर ने कहा-और जो 11000 करोड़ निकलवा गए, वो क्या हैं। पत्रकार अपना-सा मुंह लेकर लौट आया। वह भी ऐसे लघु बैंक का समर्थक हो गया। मौज बड़े वालों के हिस्से में ही क्यों आए, छोटों का भी तो कुछ हक है ना!

फोटोग्राफी...

फिल्म निर्माता ने क्लिक किया पेन्टिंग जैसा दिखने वाला यह फोटो

यह फोटो जर्मनी के डेनिस श्मेल्ज़ ने नॉर्वे के लोफोटेन क्षेत्र में क्लिक किया है। वे पेशे से फिल्म निर्माता हैं और शौक से फोटोग्राफी भी करते हैं। उन्होंने अपने नए प्रोजेक्ट के लिए पिछले दिनों नॉर्वे की यात्रा की थी, तब बर्फ से ढंकी पहाड़ियों के बीच शांत समुद्र में सैल बोट का यह फोटो क्लिक किया था। वे कहते हैं, उन्हें अंदाजा नहीं था कि यह फोटो पेटिंग जैसा दिखने लगेगा। जब फोटो क्लिक हुआ तब लगा कि इसमें तो सारी चीजें बिल्कुल परफैक्ट हो गई हैं। उन्होंने लि खा कि हमारी टीम प्रो जेक्ट केदौरान ही वीकेंड मनाने दूसरे आइलैंड पर गई थी। जब हम लौट रहे थे, तब उन्होंने एक यादगार के लिए यह शॉट ड्रोन से लिया था। यह इसे लोग इतना पसंद करेंगे। instagram.com

सशक्त , सक्षम और उपयोगी

देश का मानव संसाधन सर्वाधिक सशक्त, सक्षम और उपयोगी तभी हो सकता है, तब वह स्वस्थ होने के साथ-साथ अपने व अपने परिवार के सुरक्षित भविष्य के प्रति भी आास्त हो। सम्भवत: इसी को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने बजट 2018 के अन्तर्गत एक महात्वाकांक्षी ''राष्ट्रीय स्वास्य सुरक्षा योजना' की रूपरेखा प्रस्तुत की है। प्रस्तावित योजना के अंतर्गत लगभग 10 करोड़ निर्धन व संसाधनहीन परिवारों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक की चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के प्रावधान हैं। एक तरह से यह पहले से ही उपलब्ध ''राष्ट्रीय स्वास्य बीमा योजना' का विस्तारित संस्करण प्रतीत होती है। तथापि, दो स्तरों पर यह ''राष्ट्रीय स्वास्य बीमा योजना' से भिन्न होगी। ''राष्ट्रीय स्वास्य बीमा योजना' के अंतर्गत सिर्फ बीपीएल रेखा के नीचे के परिवारों को लाभार्थी परिवारों के रूप में चयनित किए जाने का प्रावधान था, तो वहीं प्रस्तावित योजना के अंतर्गत देश की कुल जनसंख्या के लगभग 40 प्रतिशत लोगों को सम्मिलित करने का लक्ष्य है, जो भारत के कुल बीपीएल परिवारों की संख्या से प्राय: 10 प्रतिशत अधिक है। राष्ट्रीय स्वास्य बीमा योजना को कई देशों ने भी थोड़े-बहुत परिवर्तनों के साथ सैद्धांतिक व व्यावहारिक प्रारूप में अपनाया है। परंतु विडम्बना रही कि 2008 में शुरू की गई तथा 31 मार्च, 2017 तक 36,332,475 सक्रिय स्मार्ट काड्र्स और 14,084,587 चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने वाली यह बीमा योजना विभिन्न कारणों से प्राय: 2014 से ही निरंतर पतन का शिकार रही। विभिन्न राज्यों में इसकी सफलता का स्तर अलग-अलग रहा है परंतु आम तौर पर इसने देश में सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में आशाओं व संभावनाओं की अलख तो जगा ही दी थी। इस योजना ने जिन चुनौतियों तथा समस्याओं का सामना किया है, उनमें तकनीकी समस्याओं के साथ-साथ भ्रष्टाचार, कुछ चिकित्सालयों व लाभार्थियों द्वारा स्मार्ट काड्र्स का गलत उपयोग, योजना में सम्मिलित बीमा कंपनियों, चिकित्सालयों व तृतीय पक्ष संस्थाओं (टीपीए/थंड पार्टी ऐजेंसीज) के बीच तारतम्य व समन्वय का अभाव, कुछ राज्य सरकारों व संबद्ध विभागों में योजना के क्रियान्वयन के प्रति इच्छाशक्ति व उत्साह की कमी, ग्रामीण व दूरस्थ क्षेत्रों में जरूरी आधारभूत ढांचे का अभाव, यातायात हेतु सड़कों व परिवहन के साधनों की कमी इत्यादि प्रमुख रही हैं। प्रस्तावित योजना का विशाल कलेवर देखते हुए हम इसके लिए जरूरी वित्तीय संसाधनों के बारे में अनुमान लगाएं तो बीमा बाजार में उपलब्ध स्वास्य बीमा योजनाओं के आधार पर कम से कम प्रति परिवार प्रति वर्ष 3000 रुपये के प्रीमियम की जरूरत होगी। इस प्रकार राष्ट्रीय स्तर पर 10 करोड़ परिवारों के लिए प्रति वर्ष लगभग 300 अरब रुपये के भारी भरकम बजट की जरूरत होगी जिसमें से 40 प्रतिशत या 120 अरब रुपये राज्य सरकारों को वहन करने होंगे। 2017 तक के संस्थागत आंकड़े बताते हैं कि भारतीय परिवारों को 62 प्रतिशत से अधिक चिकित्सा खर्च स्वयं ही वहन करना होता है, जबकि यूरोपीय संघ सहित अमेरिका व ब्रिटेन में यह मात्र 20-25 प्रतिशत है। 15 मार्च 2017 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अपनाई गई राष्ट्रीय स्वास्थ नीति, 2017 में देश के प्रत्येक नागरिक को स्वास्य सुरक्षा चक्र के दायरे में ले आते हुए गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उप्लब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया था। 2018 में राष्ट्रीय स्वास्य सुरक्षा योजना को प्रस्तुत करना इस संदर्भ में मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। ऐसे में ऐसा विास किया जा सकता है कि आने वाले समय में भारत स्वास्य सेवाओं तथा इनके माध्यम से सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में शेष विश्व के समक्ष एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करने में सक्षम होगा।

टेस्ट और वनडे रैंकिंग में कोहली ने 900 अंक के आंकड़े पार किया

दुबई (एजेंसी)।

भारतीय कप्तान विराट कोहली खेल के इतिहास में एक साथ टेस्ट और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में 900 अंक के आंकड़े को पार करने वाले सिर्फ दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आईसीसी एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग में संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंचने में सफल रहे।

कोहली दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स के बाद एक साथ वनडे और टेस्ट रैंकिंग में 900 अंक के आंकड़े को पार करने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। वह खेल के दोनों प्रारूपों में 900 अंक को पार करने वाले सिर्फ पांच बल्लेबाजों में शामिल हैं। कोहली के फिलहाल वनडे में 909 जबकि टेस्ट में 912 रेटिंग अंक हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ छह मैचों की श्रृंखला में 5-1 की जीत के दौरान कोहली ने तीन शतक की मदद से 558 रन बनाकर शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत की। कोहली ने इसके साथ ही वनडे रैंकिंग की सर्वकालिक सूची में ब्रायन लारा को पीछे छोड़ दिया। पिछले महीने उन्होंने सर्वकालिक टेस्ट रैंकिंग में भी लारा को पछाड़ा था। वह एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की सर्वकालिक रैंकिंग में सातवें स्थान पर हैं जिसमें विवियन रिचर्ड्स सर्वाधिक 935 अंक के साथ शीर्ष पर हैं।

भारतीय कप्तान कोहली महान सचिन तेंदुलकर की सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ 887 रेटिंग अंक से 22 अंक आगे हैं। तेंदुलकर ने यह रेटिंग जनवरी 1998 में जिंबाब्वे के खिलाफ हासिल की थी। लारा ने 908 रेटिंग अंक मार्च 1993 में हासिल किये थे। भारत के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में 323 रन बनाने के बाद 10वें स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल हो गए हैं। भारत के स्पिनरों युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव को भी नवीनतम रैंकिंग में फायदा हुआ है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 17 विकेट के साथ लेग स्पिनर चहल आठ स्थान के फायदे से 21वें जबकि चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप 17 विकेट के साथ 15 स्थान के फायदे से 47वें पायदान पर पहुंच गए हैं। बुमराह आठ विकेट चटकाने के बाद दो स्थान के फायदे से संयुक्त शीर्ष पर हैं।

जिंबाब्वे के खिलाफ श्रृंखला में 4-1 की जीत के दौरान 16 विकेट हासिल करने वाले अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान भी संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। शारजाह में सोमवार को अंतिम मैच में 43 रन सहित दो पारियों में 51 रन बनाने की बदौलत राशिद शीर्ष पांच आलराउंडरों में शामिल हो गए हैं। भारत के खिलाफ पहले वनडे में 120 रन की पारी से दक्षिण अफ्रीका के फाफ डुप्लेसिस एक स्थान के फायदे से आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। इस मैच के बाद वह चोटिल होकर श्रृंखला से बाहर हो गए थे।

भारत इस बीच 123 अंक के साथ एकदिवसीय टीम रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार है। दक्षिण अफ्रीका 117 अंक के साथ दूसरे जबकि इंग्लैंड 116 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। अफगानिस्तान ने टीम रैंकिंग में जिंबाब्वे को पीछे छोड़ दिया है। अफगानिस्तान की टीम 55 अंक के साथ 10वें स्थान पर है जबकि जिंबाब्वे के 50 अंक हैं।

राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों की तैयारियां ठीक चल रही हैं: साक्षी

मुंबई। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक ने कहा कि अगामी राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के लिए उनकी तैयारियां सही दिशा में चल रही हैं। साक्षी ने कहा, ''इस महीने की 26 तारीख को मैं एशियाई चैम्पियनशिप के लिए रवाना हो रही हूं जिसके बाद मुझे राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लेना है, इसलिए तैयारियां जारी है। अगर हम एशियाई चैम्पियनशिप में अच्छा करते हैं तो हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा और मुझे उम्मीद (मेरा लक्ष्य) है कि स्वर्ण पदक जीतूंगी।'' रियो ओलंपिक की पदकधारी पहलवान ने एक टायर कंपनी की ब्रांड दूत बनने के मौके पर कहा कि उनका लक्ष्य इन दोनों प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीतने का है।उन्होंने कहा, '' ओलंपिक पदक से मुझे काफी प्रेरणा मिली और उसके बाद मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। पदक जीतने के बाद मैं कुश्ती को और अच्छे से समझ रही हूं।'' राष्ट्रमंडल खेल अप्रैल में गोल्ड कोस्ट में होने हैं जबकि एशियाई खेलों का आयोजन जकार्ता में अगस्त में होगा। साक्षी ने कहा कि राष्ट्रमंडल खेलों में उन्हें मुख्य चुनौती कनाडा और नाइजीरिया की पहलवानों से मिलने की संभावना है जबकि एशियाई खेलों में जापान और चीन की पहलवानों से चुनौती मिल सकती हैं। उन्होंने कहा, '' दोनों प्रतियोगिताओं के लिए तैयारियां लगभग एक जैसी हैं। लेकिन हम उनके वीडियो देखेंगे।''

तोक्यो ओलंपिक में अपने पदक का रंग स्वर्ण करना चाहती हूं: सिंधू

मुंबई। भारत की स्टार शटलर पी वी सिंधू ने कहा कि वह तोक्यो ओलंपिक 2020 में अपने ओलंपिक पदक का रंग बदलकर रजत से स्वर्ण करना चाहती हैं। रियो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली हैदराबाद की इस बैडमिंटन खिलाड़ी ने कहा, ''मैं (पदक का रंग) रजत को स्वर्ण में बदलना चाहती हूं मेरा यह सपना है और मुझे पूरी उम्मीद है कि मैं इसे पूरा करने में सफल रहूंगी।'' अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग दो हासिल करने वाली सिंधू को यहां एक टायर कंपनी का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया जो पिछले साल ओलंपिक मूवमेंट से जुड़ी थी। ब्रिजस्टोन ने अपने वैश्विक ब्रांड एंबेसडर में चार अन्य भारतीय खिलाड़ियों को भी जोड़ा। इनमें शटलर किदाम्बी श्रीकांत, लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज एमसी मेरीकोम, रियो खेलों की कांस्य पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक और स्टीपलचेज की एथलीट ललिता बाबर शामिल हैं। श्रीकांत ने भी कहा कि वह तोक्यो ओलंपिक में पदक जीतना चाहते हैं। रियो में वह क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाये थे। विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज श्रीकांत ने कहा, ''मेरा 2016 ओलंपिक का क्वार्टर फाइनल मैच काफी करीबी था, इसलिए अब मैं परिदृश्य बदलना चाहता हूं और टूर्नामेंट में आगे बढ़ना चाहता हूं। मैं फाइनल में पहुंचकर पदक जीतना चाहता हूं। यह मेरा सपना है और इसे पूरा करने के लिये मैं अपनी तरफ से हर संभव कोशिश करूंगा।''। साक्षी ने भी कहा कि वह अपने प्रदर्शन में सुधार करना चाहती है। उन्होंने कहा, ''मेरे भार वर्ग में जापान की मजबूत प्रतिद्वंद्वी हैं। मेरा सपना जापानी प्रतिद्वंद्वी को हराकर स्वर्ण पदक जीतना है। जब मैंने पहलवानी शुरू की थी तो मुझे बताया गया था कि जापानी पहलवान काफी मजबूत होती हैं।'' साक्षी ने कहा, ''रियो में हम एक साथ पोडियम पर थे और मेरा सपना अब उसे (काओरी इचो) को हराकर अपने देश के लिये स्वर्ण पदक जीतना है।''

नाडा ने इंदरजीत की सुनवाई स्थगित की, 5 खिलाड़ियों को अस्थायी निलंबित किया

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने गोला फेंक के एथलीट इंदरजीत सिंह के मामले की सुनवाई फिर से स्थगित कर दी तथा पांच अन्य खिलाड़ियों को डोपिंग रोधी नियमों का उल्लंघन करने पर अस्थायी तौर पर निलंबित कर दिया। इंदरजीत का मूत्र का नमूना पाजीटिव पाया गया था और इसके बाद उन्हें रियो ओलंपिक में भाग लेने से रोक दिया गया था। उनका 'बी' नमूना भी पाजीटिव रहा था। नाडा ने पिछले महीने 404 डोप परीक्षण किये तथा पहलवान भगवान (72 किग्रा), अमित (74 किग्रा), मुक्केबाज लक्ष्य चाहर (80 किग्रा) और दो एथलीटों नीलम कुमारी (100 मीटर बाधा दौड़) और सौरभ सिंह (100 मीटर) को अस्थायी निलंबित किया गया। नाडा ने विज्ञप्ति में कहा, ''नाडा के डोपिंग रोधी नियमों का उल्लंघन करने का दोषी पाये गये खिलाड़ियों को डोपिंग रोधी पैनल के सामने अपना पक्ष रखने का मौका दिया गया।'' अक्तूबर में अखिल भारतीय पुलिस कुश्ती प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने के बाद अपने मूत्र का नमूना नहीं देने वाले राष्ट्रीय स्तर के पहलवान सुमित सहरावत के मामले की सुनवाई भी स्थगित कर दी गयी है। नाडा के अनुसार पिछले महीने पावरलिफ्टर सरिता रानी और वंदना दुबे के मामले की सुनवाई भी स्थगित कर दी गयी थी।

स्लोवेनिया का ओलंपिक हॉकी खिलाड़ी डोप परीक्षण में नाकाम

प्योंगचांग। स्लोवेनिया के आइस हॉकी खिलाड़ी जिगा जेगलिक ड्रग परीक्षण में नाकाम रहे और उन्हें निलंबित कर दिया गया है। वह प्योंगचांग ओलंपिक में डोपिंग में नाकाम रहने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। खेल पंचाट (सीएएस) ने जानकारी दी। सीएएस ने अपने बयान में कहा कि जेगलिक का परीक्षण प्रतिबंधित फेनोटेरोल के उपयोग के लिये पॉजीटिव पाया गया और इसके बाद उन्हें 24 घंटे के अंदर खेल गांव छोड़ने के लिये कहा गया।

भारत की निगाह अजेय बढ़त और दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला जीवंत रखने पर

सेंचुरियन (एजेंसी)।

बेहतरीन फार्म में चल रही भारतीय टीम दूसरे ट्वेंटी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जब अजेय बढ़त हासिल करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगी तो उसे आत्ममुग्धता से बचना होगा क्योंकि मेजबान टीम भी श्रृंखला जीवंत रखने के लिये अपनी तरफ से हर संभव प्रयास करेगी। भारतीय टीम ने जोहानिसबर्ग में पहला टी20 मैच 28 रन से जीता था और अगर वह अपने इस प्रदर्शन को जारी रखते हैं तो फिर वह इस दौरे में दूसरी श्रृंखला जीतने में कामयाब रहेगी। टेस्ट श्रृंखला में 1-2 से हार के बाद भारत ने एकदिवसीय श्रृंखला 5-1 से जीती तथा अब वह टी20 श्रृंखला जीतकर दौरे का सुखद अंत करने की कोशिश करेगा। भारत अगर तीन मैचों की इस श्रृंखला में क्लीन स्वीप करता है तो आईसीसी टी20 टीम रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच सकता है लेकिन अगर आस्ट्रेलिया न्यूजीलैंड को टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में हरा देता है तो फिर अपने वर्तमान तीसरे स्थान पर ही बना रहेगा।

भारतीय टीम शिविर से मिल रही जानकारी के अनुसार कप्तान विराट कोहली मैच तक फिट हो जाएंगे। वह पिछले मैच के आखिरी क्षणों में चोटिल हो गये थे और उनके कूल्हे में कुछ परेशानी थी। टीम प्रबंधन ने इसे 'गंभीर नहीं' करार दिया और ऐसे में पूरी उम्मीद है कि वह कल टास के लिये उतरेंगे। कोहली को डरबन में पहले वनडे के दौरान भी घुटने के दर्द से परेशानी हुई थी लेकिन उन्होंने इसे दरकिनार करके जोरदार शतक जमाया था। लेकिन चोट की एक और संभावना को उन पर व्यस्त कार्यक्रम से पड़ने वाले प्रभाव के रूप में देखा जा सकता है।दूसरे मैच में श्रृंखला अपने नाम करने की स्थिति में कोहली केपटाउन में तीसरे मैच में विश्राम ले सकते हैं क्योंकि अगले तीन महीनों में भी उनका व्यस्त कार्यक्रम है। अगर कोहली फिट नहीं हो पाते हैं तो फिर श्रेयस अय्यर को टीम में जगह मिल सकती है। पिछले मैच में अय्यर की जगह मनीष पांडे को अंतिम एकादश में रखा गया था।भारतीय टीम में कुछ अन्य बदलाव भी किये जा सकते हैं। सुपरस्पोर्ट पार्क की पिच इस पूरे दौरे में काफी धीमी खेलती रही और इसे ध्यान में रखते हुए भारत अंतिम एकादश में दो स्पिनरों को रख सकता है। ऐसे में चाइनामैन कुलदीप यादव के अंतिम एकादश में शामिल होने की संभावना है।।यहां तक कि बायें हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल को भी अभी मौका नहीं मिला है और कसी हुई गेंदबाजी करने के कारण उनके नाम पर भी विचार किया जा सकता है।

पिछले मैच में सुरेश रैना को तीसरे नंबर पर उतारने का हैरानी भर फैसला देखने को मिला था। अगर कोहली खेलते हैं तो क्या वह फिर से ऐसा करेंगे? जोहानिसबर्ग में टीम प्रबंधन को लग गया था कि यह बड़े स्कोर वाला मैच होगा और उसने ऐसे में रैना को पावरप्ले में उतारने का फैसला किया था। भारत के लिये निचला मध्यक्रम थोड़ा चिंता का विषय है। टीम प्रबंधन ने महेंद्र सिंह धोनी पर अपना भरोसा बनाये रखा है। यह पूर्व कप्तान भी ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी का इच्छुक नहीं लगता है। कोहली के नंबर चार पर उतरने से निचले मध्यक्रम को भी स्थायित्व मिलता है। दूसरी तरफ दक्षिण अफ्रीका आठ दिन के अंदर दूसरी बार करो या मरो की स्थिति में है। उसकी परेशानियां हालांकि कम नहीं हो रही हैं और अब एबी डिविलियर्स टी20 श्रृंखला से बाहर हो गये हैं। उनकी जगह पर किसी अन्य खिलाड़ी को नहीं रखा गया और जेपी डुमिनी को उपलब्ध खिलाड़ियों में से ही विकल्प तलाशना होगा। कार्यवाहक कप्तान डुमिनी का मानना है कि वांडरर्स में पावरप्ले के ओवरों में शार्ट पिच गेंदें करने सहित उनकी सारी रणनीति सही थी लेकिन उस पर अच्छी तरह से अमल करने की जरूरत है। इससे लगता है कि टीम में ज्यादा बदलाव नहीं होंगे। यह अभी देखना बाकी है कि सेंचुरियन की पिच पर पर्याप्त उछाल मिल पाती है या नहीं। अगर ऐसा नहीं होता है तो दक्षिण अफ्रीका को अपनी रणनीति बदलनी होगी।

भारतीय महिला टीम की निगाह दक्षिण अफ्रीका में दोहरी श्रृंखला जीतने पर

सेंचुरियन। पिछले मैच हार से सतर्क भारतीय महिला टीम पिछली गलतियों से सबक लेकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कल यहां होने वाले चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत दर्ज करके पांच मैचों की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगी। पहले दो टी20 मैचों में क्रमश- सात और नौ विकेट से जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम ने जोहानिसबर्ग में तीसरे मैच में दक्षिण अफ्रीका को वापसी का मौका दे दिया। दक्षिण अफ्रीका ने यह मैच पांच विकेट से जीतकर श्रृंखला को जीवंत बनाये रखा। लेकिन इससे पहले एकदिवसीय श्रृंखला 2-1 से जीतने वाली भारतीय टीम अब किसी तरह की ढिलायी बरतने से बचेगी और उसका लक्ष्य अब टी20 श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने की होगी। भारत अगर कल जीत दर्ज कर लेता है तो वह दक्षिण अफ्रीका में एक दौरे में दो श्रृंखलाएं जीतने वाली पहली टीम भी बन जाएगी। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम के लिये हालांकि यह आसान नहीं होगा। पहले दो मैचों में उम्दा प्रदर्शन के बाद भारत ने तीसरे मैच में लचर खेल दिखाकर दक्षिण अफ्रीका को वापसी का मौका दिया।पिछले मैच में भारतीय मध्यक्रम लड़खड़ा गया और उसकी टीम 17-5 ओवर में 133 रन पर आउट हो गयी। ऐसा तब हुआ जबकि 12वें ओवर में उसका स्कोर दो विकेट पर 93 रन था। कप्तान हरमनप्रीत ने 30 गेंदों पर 48 रन बनाये और स्मृति मंदाना (37) के साथ दूसरे विकेट के लिये 55 रन जोड़े लेकिन इनके आउट होने के बाद भारतीय मध्यक्रम लड़खड़ा गया। अनुभवी मिताली राज भी फिर से बड़ी पारी खेलने की कोशिश करेगी। वह पिछले मैच में खाता नहीं खोल पायी थी। भारतीय गेंदबाजी में भी पिछले मैच में धार नहीं दिखी थी। अनुभवी झूलन गोस्वामी की अनुपस्थिति में युवा तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर ने आक्रमण की अगुवाई की तथा चार ओवर में 21 रन देकर दो विकेट लिये लेकिन उन्हें अन्य गेंदबाजों का सहयोग नहीं मिला। भारतीय पुरूष टीम को इसी मैदान पर इस मैच के बाद दूसरा टी20 मैच खेलना है और ऐसे में महिला टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेगी। दक्षिण अफ्रीकी टीम का पिछले मैच में जीत से मनोबल बढ़ा है। तेज गेंदबाज शबनीम इस्माइल ने पिछले मैच में 30 रन देकर पांच विकेट लिये थे जो कि इस प्रारूप में किसी दक्षिण अफ्रीकी का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इसके अलावा वह चोले ट्रायन से भी पिछले मैच की तरह धमाकेदार पारी की उम्मीद करेगा। ट्रायन ने पिछले मैच में 15 गेंद पर 34 रन की धांसू पारी खेली थी।

सरदार की अगुवाई में अजलन शाह कप के लिये हॉकी टीम घोषित

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

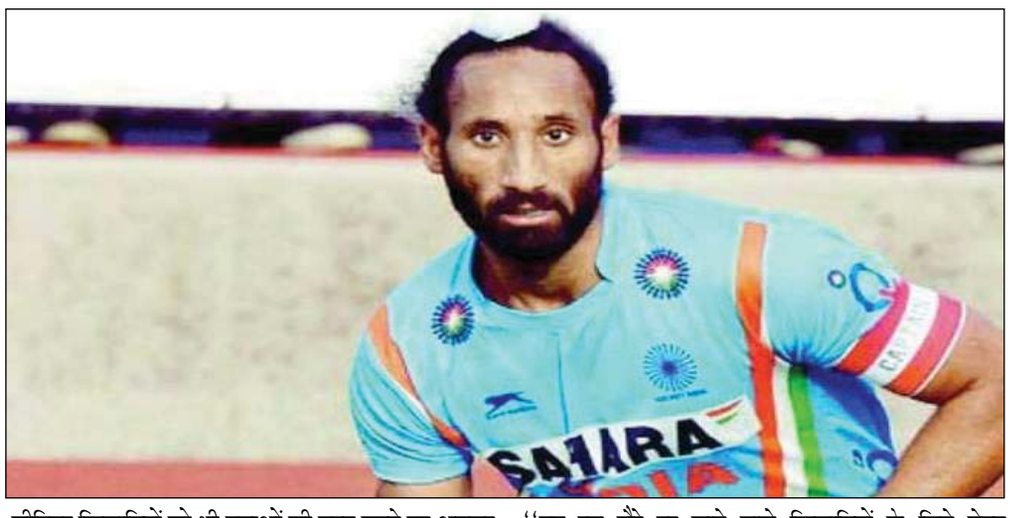

भारत ने अनुभवी मिडफील्डर सरदार सिंह की अगुवाई में तीन मार्च से मलेशिया के इपोह में होने वाले प्रतिष्ठित 27वें सुल्तान अजलन शाह कप के लिये 18 सदस्यीय हॉकी टीम का चयन किया जिसमें तीन नये चेहरे शामिल किये गये हैं। अजलन शाह कप तीन से दस मार्च तक खेला जाएगा जिसमें भारत के अलावा विश्व में नंबर एक आस्ट्रेलिया, नंबर दो अर्जेंटीना, इंग्लैंड, आयरलैंड और मेजबान मलेशिया की टीमें भाग लेंगी। स्टार मिडफील्डर सरदार को टीम की कमान सौंपी गयी जबकि फारवर्ड रमनदीप सिंह टीम के उप कप्तान होंगे जिसमें मनदीप मोर, सुमित कुमार और शैलानंद लाकड़ा के रूप में तीन नये खिलाड़ी शामिल किये गये हैं। हॉकी इंडिया ने टीम घोषित की। भारत के मुख्य कोच शूअर्ड मारिन ने कहा, ''न्यूजीलैंड दौरे की तरह, जिसमें चार खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया, अजलन शाह कप भी इन नये खिलाड़ियों के लिये शीर्ष टीमों के खिलाफ अपना कौशल दिखाने का शानदार मौका होगा।' मारिन की अगुवाई में ही भारत ने पुरूषों का एशिया कप जीता और भुवनेश्वर में हाकी विश्व ली फाइनल्स में कांस्य पदक हासिल किया था।

सुमित कुमार (जूनियर) अभी सीनियर पुरूष राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा हैं वहीं मनदीप मोर और शैलानंद लाकड़ा को जूनियर पुरूष कोर ग्रुप से टीम में लिया गया है। वे पिछले साल सुल्तान जोहोर कप में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय जूनियर टीम का भी हिस्सा थे। कोच मारिन का मानना है कि तोक्यो ओलंपिक 2020 की तैयारियों को ध्यान में रखकर इन युवा खिलाड़ियों का मौका देना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''न्यूजीलैंड में अच्छा प्रदर्शन करने वाले युवा खिलाड़ियों और कुछ अन्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का मौका मिलने से हमें बड़ा समूह तैयार करने में मदद मिलेगी। अपने पहले टूर्नामेंट में खेलना उनके लिये चुनौतीपूर्ण होगा लेकिन इससे सीनियर खिलाड़ियों को भी युवाओं की मदद करने का अवसर मिलेगा।'

सरदार को कप्तान नियुक्त करने के फैसले के बारे में मारिन ने कहा, ''सरदार कोर ग्रुप में शामिल प्रमुख खिलाड़ियों में से एक है तथा मनप्रीत सिंह की अनुपस्थिति में उन्हें इस काम के लिये चुना गया है। वह अनुभवी खिलाड़ी है तथा पिछले दो टूर्नामेंट में नहीं खेल पाया। यह उनके पास अपना कौशल दिखाने का मौका होगा।' सरदार सिंह के साथ मध्यपंक्ति में एसके उथप्पा, सुमित, नीलकांत शर्मा और सिमरनजीत सिंह के साथ अपनी भूमिका निभाएंगे। भारतीय रक्षापंक्ति की जिम्मेदारी वरुण कुमार, अमित रोहिदास, दिपसान टिर्की, सुरेंदर कुमार, मनदीप मोर और नीलम संजीव पर होंगी। सूरज करकेरा और कृष्ण पाठक गोलकीपर होंगे। अग्रिम पंक्ति में गुरजंत सिंह, रमनदीप सिंह, तलविंदर सिंह, सुमित कुमार (जूनियर) और शैलानंद लाकड़ा शामिल हैं। मारिन ने कहा, ''यह इस दौरे पर जाने वाले खिलाड़ियों के लिये बेहद महत्वपूर्ण टूर्नामेंट क्योंकि इससे उन्हें आस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना जैसी टीमों के खिलाफ उच्चस्तर की प्रतिस्पर्धा का अनुभव हासिल करने का एक मौका मिलेगा। इससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना कौशल दिखाने और भविष्य के टूर्नामेंट के लिये टीम में अपनी जगह सुनिश्चित करने का एक और अवसर मिलेगा।'

टीम इस प्रकार है

गोलकीपरः सूरज करकेरा, कृष्ण बी पाठक।

रक्षापंक्तिः वरुण कुमार, अमित रोहिदास, दिपसान टिर्की, सुरेंदर कुमार, मनदीप मोर, नीलम संजीव।

मध्यपंक्तिः एस के उथप्पा, सरदार सिंह (कप्तान), सुमित, नीलकांत शर्मा, सिमरनजीत सिंह। ।

अग्रिम पंक्तिः गुरजंत सिंह, रमनदीप सिंह (उपकप्तान), तलविंदर सिंह, सुमित कुमार (जूनियर), शैलानंद लाकड़ा।

कनाडा की वर्चू और मोइर ने आइस डांस में स्वर्ण पदक जीता

गैंगनुएंग (दक्षिण कोरिया) (एजेंसी)।

कनाडा की टेसा वर्चू और स्कॉट मोइर ने अपने जादुई रिकार्ड प्रदर्शन से शीतकालीन ओलंपिक में आइस डांस का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वैंकुवर 2010 की चैंपियन इस जोड़ी को फ्रांस की गैब्रिएला पापदाकिस और गुइलायुम सिजरोन से कड़ी चुनौती मिली जिन्होंने फ्री डांस में खुद का रिकार्ड तोड़ा। लेकिन वर्चू और मोइर ने स्केटिंग में पूरा दम लगाया और 122.40 अंक बनाकर अपनी जीत सुनिश्चित की। इन दोनों का कुल स्कोर 206.07 अंक रहा और उन्होंने फ्रांसीसी जोड़ी (205.28 अंक) को बेहद करीबी अंतर से हराया। वर्चू ने कहा, ''शानदार। सबसे खास पल आखिर में आया। हम पर काफी दबाव था लेकिन हमने जिस तरह का प्रदर्शन किया उससे हम बहुत खुश हैं।'' यह 28 वर्षीय वर्चू और 30 वर्षीय मोइर का शीतकालीन ओलंपिक में कुल पांचवां पदक है। उन्होंने वैंकुवर में एक स्वर्ण जीता था।

खुले में सोने के लिए मजबूर गरीब परिवारो को नहीं मिलता आशियाना

सूरत। देश में करोड़ो लोग को अपना घर नहीं होने से बारिश ,शर्दी गर्मी में सड़को के किनारे अपना जीवन गुजार देते है। गरीबी की मार से इन लाचार और मजबूर परिवारों को दो वक्त का भोजन उपलब्ध नहीं हो पाता है। भीख मांगना उनकी मजबूरी बन जाती है। सुबह से शाम तक मेहनत की मिल जाती है ,तो उनका नसीब है। लेकिन कहते है कि भगवन भूखा जरूर उठाता है ,परन्तु भूखा सुलाता नहीं है। मंदिर के ट्रस्ट द्वारा सेवार्थ बनाया जाने वाला भोजन या किसी स्वयं सेवी संस्था उनका पेट हरदिन पालती है। जलाराम सेवा मंडल ,जैन नवयुवक मंडल और मंदिर के भंडारों से बनने वाला भोजन इन लाचार व्यक्तियों के पेट की ज्वाला शांत करता है। मार्केट में भी भोजन परोसा जा रहा है। अलबत्ता , इन भूखे नौनिहालों के लिए कपडा -खाना दानदाताओ की तरफ से मिलता रहता है। देश में करीब तीन करोड़ से ज्यादा भिखारी अपने पेट की ज्वाला बच्चो को बस स्टैंड ,ट्रैफिक सिग्नल और मंदिर मस्जिदों के धार्मिक स्थलों पर बैठाकर भीख मंगवा कर शांत करते है। शाम होते जुटाए सारे पैसे शराब-शबाब की भेंट चढ़ जाता है। नतीजतन ,देश में ऐसे गिरोह भी सक्रीय है ,जिनका तालुकात उन मवालियों से होता है ,जो इन बच्चो को भीख माँगने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। शाम को भीख की आमदनी से कुछ हिस्सा उनको दे देते है।,जबकि बाकि सब हड़प लिया जाता है। सड़क पर खुले में सोने वाले इन भिखारियों के लिए सरकार के जेहन में कोई विशेष योजना नहीं है।

इनके रहने और खाने के लिए राज्य सरकार की तरफ से रैन -बसेरा की व्यवस्था पानी ज्यादा बरसने पर की जाती है । लेकिन बारिश के बंद होने पर उनको अपने पुराने घर सड़क ऊपर हकाल दिए जाते है इक्कीसवी सदी की कल्पना करने वाला मेरा भारत देश इन लाचार और भूखे परिवार के बच्चो के भविष्य सुधारने के लिए राष्ट्रनेताओ को भगवान कब सोच के लिए प्रेरित करेंगे ? दिल्ली शहर सूधार बोर्ड ने निराश्रित लोगो के लिए रैन बसेरा की सुविधा करवाई। उसके बाद गुजरात ,मध्यप्रदेश ,राजस्थान ,यूपी आदि राज्यों में रैन -बसेरा की सुविधा सरकार की तरफ से उपलब्ध कराई गई है। जब बारिश के समय ,ठण्ड के समय या भीषण गर्मी के समय आपातकालीन सुविधा के बाद रैन -बसेरा हमेशा लिए के लिए बंद है जाते है। इन राज्यों में संचालित रात्रि आश्रमो में बेघर लोगो के लिए गुणवत्तायुक्त प्रवास और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सभी अनिवार्य आधारभूत सुविधाए जैसे दरी ,कंबल ,प्रशाधन ,पेयजल , व्यवस्था का प्रावधान है। उसके लिए नजदीकी रात्रि आश्रय उपलब्ध कराने के लिए सरकार की अहम और महत्वपूर्ण योजना है। लेकिन इन गरीबो को बारिश के बाद अपनी यथास्थित में जाने के लिए बिचौलिए मजबूर करते है। उसके बाद रैन बसेरा पर ताला जड़ दिया जाता। ऐसे अनेक राज्यों में घटना घटित हुई है। कई जगह लिए रैन बसेरा की उपयोगिता ख़त्म कर दी जाती है। सरकार गरीबी ख़त्म करने के लिए जनता को हमेशा आश्वासन देती रहती है। क्या इन बेचारो और लाचार लोगो के लिए भारत में इतना ही अधिकार दिया गया है ,जो सड़क ही उनका आशियाना है..... ? इन गरीबो को रहने के लिए जगह उपलब्ध नहीं होती है तो वो ब्रिज के निचे वाली पार्किंग की जगह पर अपना घर बना लेते है।

पांडेसरा में युवक ने जहर पीकर की आत्महत्या

सूरत। पांडेसरा के लक्ष्मीनगर सोसाइटी में रहने वाले एक युवक ने किन्हीं अज्ञात कारणों से जहरीली दवा पीकर आत्महत्या कर ली। पुलिस मामले को दर्ज करके जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पांडेसरा के गोवालक बमरोली रोड लक्ष्मी नगर सोसाइटी प्लॉट नं. 125 में रहने वाले योगेश बाबूभाई सोलंकी ने सोमवार को 8 बजे के करीब कोई जहरीली दवा पी ली थी। जिनको इलाज के लिए महावीर अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां पर मंगलवार को सुबह योगेश की इलाज के दौरान मौत हो गई।

निरंकारी मंडल का सफाई अभियान

संत निरंकारी चेरीटेबल देश भर में 24 को चलाएगा सफाई अभियान

सूरत। संत निरंकारी चेरीटेबल फाउन्डेशन द्वारा बाबा हरदेव सिंह की 64वीं जयंती के अवसर पर आगामी 24 फरवरी को गुरु पूजा दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर पूरे देश में सफाई अभियान चलाया जाएगा।

जिसमे 3 लाख निरंकारी भक्त 564 अस्पतालों की सफाई करेंगे।

निजी सिक्युरिटी एजेन्सियों को शहर पुलिस कमिश्नर का फरमान

सभी सिक्युरिटी कंम्पनियां हथियारधारी व बिनहथियारधारी गार्डों का विवरण दें

सूरत। शहर में शांति और सुरक्षा बरकार रहे, इस आशय से शहर पुलिस कमिश्नर ने एक फरमान जारी किया है।

फरमान के अनुसार शहर कमिश्नरेट क्षेत्र में सिक्युरिटी कंम्पनी चलाने वाले सभी संचालक अपने कंपनी में कार्यरत हथियारधारी या बिनहथियारधारी पर प्रांतीय गार्डों की सूची स्थानीय पुलिस स्टेशनों में अवश्य जमा कराएं। साथ ही हथियारधारी गार्ड अपने हथियार के लायसंस का वेरीफिकेशन एसओजी शाखा द्वारा अथवा पुलिस थाने में कराएं। गार्ड के बायोडाटा सहित लायसेंस का विवरण जरूर दें। उक्त फरमान 11 अप्रैल 2018 तक मान्य रहेगा।

रास्ते पर आतिशबाजी करने पर प्रतिबंध

पुलिस कमिश्नर ने एक फरमान जारी कर सार्वजनिक रास्तों पर आतिशबाजी करने पर प्रतिबंध लगाया है। फरमान के अनुसार खुली सड़क पर अस्पताल के पास, स्कूलों के पास से लगभग 100 मीटर की दूरी पर आतिशबाजी न करें। इसके अलावा हजीरा और ईच्छापोर पु.स्टेशन क्षेत्र में स्थित औद्योगिक इकाइयों की रक्षा के लिए पटाखा फोड़ने पर प्रतिबंध लगाया गया है। यह फरमान 13 अप्रैल 2018 तक अमलीकरण रहेगा।

भाटपोर गांव में तनाव में आकर विष पीकर की आत्महत्या

सूरत। शहर के छोर पर आने वाले इच्छापोर पुलिस थाना अंतर्गत भाटपोर गांव में एक व्यक्ति ने तनाव में आकर विष पीकर आत्महत्या कर ली । घटना के संदर्भ में प्राप्त जानकारी के अनुसार भाटपोर गांव की रामनगर कालोनी में रहने वाली पुष्पाबेन के पति सुखा भाई भाणा राठौड (40 वर्ष) पिछले कुछ समय से तनाव में रहते थे। गत सोमवार को देर रात पौने 12 बजे के करीब सुखाभाई ने जहरीली दवा पी ली। इस बात की जानकारी होने पर सुखाभाई की पत्नी पुष्पाबेन ने उनको इलाज के लिए सिविल अस्पताल में ले गई। जहां पर चिकित्सकों ने जांच करने के बाद सुखाभाई को मृत घोषित कर दिया। घटना के संदर्भ में इच्छापोर पुलिस आत्महत्या का मामला दर्ज करके आगे की जांच कर रही है।

बालक का अपहरण कर नदी में फेंका, पिता का मित्र ही निकला हत्यारा

सूरत। अमरोली कोसाड आवास में रहने वाले लूम के कारीगर के 9 वर्षीय बालक का अपहरण कर हत्या करने की घटना का रहस्य पुलिस ने खोलने में सफलता पाई है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसके पिता 2001 में लापता हो गए थे और 2005 में उसके भाई की लाश रेलवे ट्रैक के पास से मिली। इन दोनों घटना के पीछे बालक के पिता का हाथ होने के शक में बालक की हत्या कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोसाड आवास में रहने वाले प्रफुल्ल गणपत जैना लूम कारखाना में काम करते हैं। प्रफुल्ल का 9 साल का बेटा आकाश गत 7 फरवरी को गायब हो गया और काफी खोजबीन के बाद भी उसका जब कोई पता नहीं लगा तो पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। 3 दिन के बाद मासूम आकाश की लाश कामरेज के आंबोली गांव से मिली। पुलिस हत्या का मामला दर्ज करके जांच कर रही थी। जांच में प्रफुल्ल की किसी से दुश्मनी नहीं थी और न तो बालक के अपहरण के बदले में फिरौती ही मांगी गई थी। जिससे पुलिस प्रफुल्ल के करीबी मित्रों के बारे में जांच शुरू की तो मालूम हुआ कि इस घटना के दिन प्रफुल्ल के घर उसका मित्र संतोष राजेन्द्र शाहु (28 वर्ष, अंजनी इंडस्ट्री अमरोली) आया था। उससे पूछताछ की गई तो संतोष टूट पड़ा और आकाश की हत्या करने की बात कबूल कर ली। आरोपी ने बताया कि 2001 में उसके पिता लापता हो गए थे और 2005 में उसके भाई की लाश रेलवे लाइन के पास से मिली थी। जिससे इन दोनों घटनाओं में प्रफुल्ल का हाथ होने के शक में मासूम आकाश का अपहरण करके हत्या करने के बाद लाश को नदी में फेंक दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नकाबपोश युवकों ने महिला के गले से छीनी चेन

सूरत। डिंडोली की रहने वाली महिला अपनी पुत्री के साथ जा रही थी। उसी समय बाइक के साथ पहले से खड़े दो नकाबपोश महिला के गले से सोने की चेन झपटकर फरार हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डिंडोली रामीपार्क सांई दर्शन सोसाइटी प्लॉट नं. 7 में रहने वाली रजनी बिपिन कुमार गुप्ता अपनी पुत्री के साथ कहीं जा रही थी। उसी समय सोसाइटी के गेट के पास पल्सर बाइक लेकर पहले से खड़े दो नकाबपोश रजनीबेन के गले से 20 हजार रुपए की सोने की चेन बाइक पर पीछे बैठा उचक्का खींच लिया और दोनों स्थल से फरार हो गए। घटना के बारे में डिंडोली पुलिस रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच कर रही है।

राजेन्द्र त्रिवेदी बने गुजरात विधानसभा के नए अध्यक्ष

अहमदाबाद (ईएमएस) । बजट सत्र के पहले दिन वडोदरा से भाजपा विधायक राजेन्द्र त्रिवेदी को सर्वसम्मति से 14 वीं गुजरात विधानसभा का अध्यक्ष चुन लिया गया। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने त्रिवेदी के नाम का प्रस्ताव रखा और विपक्ष के नेता परेश धनानी की अगुवाई में कांग्रेस विधायक दल ने इसका समर्थन किया। निर्वाचित होने के बाद त्रिवेदी (63) ने कहा वह यह सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश करेंगे कि 182 सदस्यीय सदन के हर सदस्य को एक विधायक के रूप में जनता की चिंताओं को सामने रखने का मौका मिले।

जनता द्वारा सरकार पर रखे गए भरोसे का प्रतिबिंब है यह जनहितकारी बजट: मुख्यमंत्री

गांधीनगर (ईएमएस)। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने आज विधानसभा में प्रस्तुत बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राज्य के २०१८-१९ के बजट को जनता द्वारा सरकार पर रखे गए भरोसे के प्रतिबिंब समान जनहितकारी बजट करार दिया। उप मुख्यमंत्री श्री नितिनभाई पटेल द्वारा आज प्रस्तुत बजट को उन्होंने लोक कल्याणकारी, सार्वत्रिक विकासलक्ष्यी एवं सामाजिक समरसता प्रतिपादित करने वाला बजट बतलाया। मुख्यमंत्री ने इस बजट में की गई १,८३,६६६ करोड़ की भारी रकम की व्यवस्था सभी विभागों और क्षेत्रों के विकास को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाएगी, ऐसा विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि किसान, गांव, युवा शक्ति को रोजगार, शहरों का विकास, पीड़ित-शोषित वर्गों का कल्याण, अनुसूचित जाति-जनजाति, वरिष्ठ नागरिकों और महिला एवं बाल कल्याण सहित तमाम क्षेत्रों के लिए भारी राशि की व्यवस्था करके प्रत्येक व्यक्ति के लिए कोई न कोई उपहार लेकर यह बजट आया है। रूपाणी ने कहा कि भूतकाल में १८ प्रतिशत जितना ब्याज भरने वाले किसानों की चिंता कर उनका ख्याल रखते हुए शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध करवाने की पहल इस बजट में की गई है और इसके लिए ५०० करोड़ का आवंटन भी किया गया है। इसके साथ ही फसल बीमा के लिए ११०० करोड़ रुपये, समर्थन मूल्य पर खरीद, ट्रैक्टर और आधुनिक साधनों के साथ ही औजारों के लिए २३५ करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। किसानों को पर्याप्त बिजली, पानी और खाद सहित अनेक प्राथमिक सुविधा, फसल को नील गाय और जंगली सूअरों से बचाने वाली कंटीली तार की बाड़ के लिए २०० करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो वास्तव में सराहनीय है। उन्होंने कहा कि राज्य की युवा शक्ति को अवसर प्रदान कर युवाओं द्वारा नया गुजरात- नया भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए सरकार अनेक नई पहलरूपी योजनाओं की घोषणा बजट में की गई है। मुख्यमंत्री अप्रेंटिस योजना के अंतर्गत १५०० से ३००० रुपये की मासिक प्रोत्साहक राशि प्रदान करने के साथ ही रोजगार मेलों द्वारा ४ लाख युवाओं को रोजगार और सरकारी विभागों में ३० हजार नई भर्ती करने का भी प्रावधान किया गया है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र के कुशल-अर्धकुशल श्रमिकों के व्यवसायों को प्रोत्साहन देने के लिए मुख्यमंत्री ग्रामोदय योजना के लिए प्रावधान, युवा स्किल डेवलपमेंट के लिए स्टार्टअप- स्टैंडअप, इन्क्यूबेटर, आई-क्रिएट और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की व्यवस्थाओं का स्वागत किया। मुख्यमंत्री अमृतम- मा वात्सल्यम योजना के अंतर्गत लाभार्थी की आय सीमा २ लाख से बढ़ाकर ३ लाख करने, सीनियर सीटीजन्स को भी इसमें शामिल करने और गंभीर तथा जानलेवा बीमारियों के उपचार में सहारा बनकर सरकार ने अपनी जनहितकारी प्रतिबद्धता को व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने इस बजट को सर्वपोषक, सर्वसमावेशक और जनउपयोगी बजट करार देते हुए कहा कि नर्मदा योजना, शहरी विकास, स्मार्ट सिटीज, सौनी योजना, डिजिटल गुजरात, साइबर क्राइम प्रिवेन्शन सहित तमाम क्षेत्रों को जोड़ने वाला विशाल हितकारी बजट बतलाया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस बजट में सभी क्षेत्रों के लिए आवंटित धन से गुजरात के विकास

कृषि क्षेत्र के लिए 6755 करोड़ रुपए आवंटित, किसानो को मिलेगा बिना ब्याज ऋण

गुजरात के वित्तमंत्री नितिन पटेल ने मंगलवार को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2018-19 का बजट पेश किया। बजट में वित्तमंत्री ने कृषि क्षेत्र में 6755 करोड़ रुपए आवंटित किया है। साथ ही बजट में किसानों को बिना ब्याज के ऋण देने का प्रावधान किया है। गांधीनगर विधानसभा सदन में वित्त मंत्री नीतिन पटेल ने बजेट पेश करते हुए कृषि क्षेत्र में 6755 करोड़ रुपए आवंटित किया है। किसानों तय समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद और ऋण उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। बजट में विशेषकर कृषि के लिए बिना ब्याज पर किसानों को ऋण देने की घोषणा की है। कृषि क्षेत्र के जोखिमों से निपटने के लिए कृषि बीमा समेत 1101 रुपए आवंटित किया गया है। गुजरात सरकार द्वारा शून्य दर पर किसानों को लोन दिया जाएगा। खेत तालाब बनानाने के लिए 85 करोड़ रुपए आवंटित किया गया है. कृषि महोत्व के लिए 30 करोड़ रुपए आवंटित किया गया है। 20 हजार किसानों को ट्रेक्टर खरीदने के लिए 235 करोड़ रुपए की सब्सिडी दी जाएगी। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत 395 करोड़ रुपए आवंटित किया गया है। किसानों को तय समय में पर्याप्त मात्रा में रासायणिक खाद उपलब्ध कराने के लिए 28.50 रुपए आवंटित किया गया है।

शिक्षा को दी प्राथमिकता, 27000 करोड़ रुपए आवंटित

गुजरात के वित्तमंत्री नितिन पटेल ने मंगलवार को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2018-19 का बजट पेश किया। बजट में वित्तमंत्री ने शिक्षा को प्राथमिकता दी है। शिक्षा के लिए बजट में 27,000 करोड़ रुपए आवंटित किया गया है। राज्य की 58 से अधिक गैर आरक्षति वर्ग के उत्कर्ष हेतु गठित गुजरात गैर आरक्षति शैक्षकि विकास निगम के लिए 507 करोड़ रुपए आवंटित किए गए है। मध्याहन भोजन के लिए 1081 करोड़ रुपए आवंटित किया है। कक्षा 10 और 12वीं कक्षा में उत्तीर्ण होनेवाले विद्यार्थियों को 1000 के दाम पर टेबलेट दिया जाएगा। टेबलेट देने पर 150 करोड़ रुपए खर्च किया जाएगा। प्राथमिक स्कूलों में नए कमरे बनाने के लिए 673 करोड़ रुपयों का खर्च किया जाएगा। जबकि अन्न त्रिवेणी योजना के तहत अनाज उपलब्ध कराने पर 68 करोड़ का खर्च किया जाएगा। कक्षा 6 से 8 में 1250 स्कूलों में सायन्स सेन्टर के लिए 37 करोड़ रुपए आवंटित किया है। सरकारी युनि.कॉलेजों के नविनीकरण हेतु 257 करोड़ रुपए खर्च किया जाएगा। आईटीआई नविनीकरण व साधनों के लिए 40 करोड़ रुपए आवंटित किया गया है। कृषि विकास युनिवर्सिटी के लिए 702 करोड़ रुपए खर्च किया जाएगा। अनुसूचित जाति के अनुमानित 10.40 लाख, सामाजिक व शैक्षकि रुप से पिछड़े वर्ग के, आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग और अल्पसंख्य के 47.52 लाख मिलाकल कुल 58.02 लाख विद्यार्थियों को प्रि-मेट्रीक शिष्यवृत्ति के लिए 374 करोड़ रुपए आवंटित किया गया है।

गुजरात में चुनाव दर चुनाव मजबूत होती कांग्रेस

अहमदाबाद (ईएमएस)। कांग्रेस गुजरात में चुनाव दर चुनाव मजबूत होती जा रही है। गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाली कांग्रेस ने नगर पालिका चुनाव में भी शहरी इलाकों में अपनी पकड़ मजबूत की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के घर गुजरात में पार्टी खोखली होती जा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपनी हालिया बहरीन यात्रा के दौरान कहा कि गुजरात में भाजपा बस बच के निकली है। इसके पीछे उन्होंने बीते साल के आखिरी महीने में आए विधानसभा चुनाव परिणामों को अधार बनाया था। आज सोमवार गुजरात के निकाय चुनाव के परिणाम में उनके बयान को उसी तरह पुष्ट करते हैं, जैसे विधानसभा चुनाव परिणाम। दिसंबर 2017 में आए गुजरात विधानसभा परिणाम में बीजेपी 99 सीटों पर सिमट गई थी। गुजरात में बीजेपी के साथ बीते 22 सालों के कार्यकाल में पहली बार हुआ जब 100 का आंकड़ा भी नहीं छू पाई। इससे पहले गुजरात विधानसभा चुनावों में बीजेपी को साल 1995 में 121, 1998 में 119, 2002 में 127, 2007 में 117, 2012 में 119 सीटें जीतने में कामयाब रही थी। सोमवार आए निकाय चुनाव परिणामों में यही परिपाटी आगे बढ़ती नजर आई। बीजेपी अपने पिछले चुनाव की 59 नगर महापालिकाओं में कब्जा जमाने के बजाए 47 नगर महापालिकाओं पर सिमट गई। सीधे तौर पर एक चौथाई का नुकसान होता दिख रहा है। ऐसे में एक बार हालिया प्रमुख प्रदेशों के निकाय चुनावों के परिणामों को भी देखना चाहिए। ऐसे में जब हम महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश का रुख करते हैं तो एकदम उलट तस्वीर नजर आती है। भाजपा शासित इन दोनों ही राज्यों में पार्टी ने निकाय चुनाव में डंका बजा दिया था। जबकि गुजरात में भाजपा के हाथ से 15 नगर महापालिकाएं खिसक गई हैं। हालांकि पीएम नरेंद्र मोदी के गृहनगर वडनगर में बीजेपी ने 28 में 27 सीटें जीतकर कांग्रेस का सफाया कर दिया है। जबकि विधानसभा चुनावों में यहां पर कांग्रेस की आशा पटले ने बीजेपी के नारायण पटेल को करीब 19000 वोटों से हराया था। तब ऐसा माना गया कि मोदी के गृहनगर में भी बीजेपी विरोधी लहर उठ गई है लेकिन निकाय चुनाव इसकी गवाही नहीं देते। लोकसभा चुनाव से पहले नगर पालिका चुनाव के नतीजे भाजपा और कांग्रेस के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित होंगे। भाजपा और कांग्रेस ने बड़े बड़े दावे किए थे। लेकिन न तो भाजपा को अपेक्षा के मुताबिक नतीजे मिले और न ही कांग्रेस भाजपा विरोधी माहौल को भुनाने में असफल रही। हांलाकि नतीजों से कांग्रेस खुशी से फूली नहीं समा रही। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जिस प्रकार भाजपा को 100 सीटों के भीतर समेट दिया, उसी प्रकार थोड़ बहुत नुकसान नगर पालिका चुनाव में भाजपा को पहुंचाने में कांग्रेस सफल रही है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com